(जुलाई–दिसम्बर 2020 से लागू)

एम०ए०, हिन्दी साहित्य, तृतीय सेमेस्टर

MHL-C312

सगुण भक्ति काव्य

पूर्णांक 100 सत्रांत परीक्षा 70 अंक

क्रेडिट–6 सतत आन्तरिक मूल्यांकन 30 अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम : (इकाई–1, 2 से व्याख्या)

इकाई–1

1. भ्रमरगीत सार – सम्पा० रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
   पद सं०– 8, 13, 21, 22, 23, 24, 25, 27, 34, 37, 38, 42, 45, 52, 57, 61, 62, 64, 65, 75, 77, 82, 85, 89, 95 (25 पद)
2. रामचरित मानस – प्रका० गीता प्रेस गोरखपुर
   उत्तरकाण्ड (दोहा सं० 36 से 74 तथा 116 से 128 तक)

इकाई–2

3. मीराँबाई की सम्पूर्ण पदावली, सम्पा० डॉ० राम किशोर शर्मा, सुजीत कुमार शर्मा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
   पद सं० – 1, 3, 5, 14, 18, 19, 22, 34, 36, 54, 61, 70, 102, 137, 151, 155, 158, 159, 160, 179 (20 पद)
4. रसखान रचनावली – सम्पा० विद्यानिवास मिश्र, सत्य देव मिश्र, वाणी प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली
   सुजान रसखान – (आरम्भ के 10 छन्द)

इकाई–3 भ्रमरगीत की विशेषताएँ, गोपियों का वाग्वैदग्ध्य, गोपियों का विरह वर्णन, भ्रमरगीत का कलागत वैशिष्ट्य।

उत्तरकाण्ड का काव्य सौष्ठव, तुलसी की भक्ति भावना, तुलसी का समन्वयवाद, रामचरित मानस का काव्य वैभव।

इकाई–4 मीराँ की भक्ति भावना, मीराँ की काव्यगत विशेषताएँ, मीराँ की विरहानुभूति, मीराँ की भाषा।

रसखान की काव्यगत विशेषताएँ, भक्ति–भावना, प्रेमतत्व निरूपण, रसखान की भाषा।

इकाई–5 **द्रुत पाठ**– द्रुत पाठ हेतु निर्धारित कवि– परमानन्द दास, नन्द दास, हित हरिवंश, रहीम।

(इनके काव्य का सामान्य अध्ययन ही अपेक्षित है। इन पर दीर्घ उत्तरी प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे।)

संदर्भ ग्रन्थ :

1. भ्रमगीत सार (भूमिका भाग) – रामचन्द्र शुक्ल
2. सूर की काव्य साधना – गोविन्द राम शर्मा
3. सूर की काव्य कला – मनमोहन गौतम
4. तुलसी काव्य मीमांसा – डॉ० उदय भानु सिंह
5. मीरा का काव्य – विश्वनाथ त्रिपाठी
6. रसखान और उनका काव्य – डॉ० माजदा असद
7. रहीम और उनका काव्य – डॉ० देशराज सिंह भाटी